कुश्ती में पदक का इतिहास

केडी जाधव भारत को कुश्ती में पदक दिलाने वाले पहले पहलवान थे जिन्होंने 1952 के हेलसिंकी ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। उसके बाद सुशील ने बीजिंग में कांस्य और लंदन में रजत पदक हासिल किया। सुशील ओलंपिक में दो व्यक्तिगत स्पर्धा के पदक जीतने वाले अकेले भारतीय थे लेकिन बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू ने कांस्य जीतकर बराबरी की। लंदन ओलंपिक में योगेश्वर दत्त ने भी कांस्य पदक जीता था। वहीं साक्षी मलिक ने रियो ओलंपिक 2016 में कांस्य पदक हासिल किया था। 2020 में रवि दहिया ने सिल्वर मेडल जीता।

आखिरी 10 सेकंड में फिसला ब्रॉन्ज मेडल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। दीपक पूनिया की आखिरी मिनटों में की गई गलतियां उन्हें भारी पड़ीं। 22 साल का यह पहलवान इसके साथ ही मेडल से चूक गया। भारतीय पहलवान के पास ब्रॉन्ज मेडल जीतने का मौका था लेकिन वह ऐसा नहीं कर पाए। भारतीय युवा पहलवान दीपक पूनिया को तोक्यो ओलिंपिक में कुश्ती के 86 किलोग्राम फ्रीस्टाइल के ब्रॉन्ज मेडल मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने सैन मारिनो के पहलवान माइलेस नाजिम अमीन के खिलाफ शुरुआत में बढ़त भी ले ली थी, लेकिन आखिरी के 10 सेकंड में अमीन ने बाजी पलटते हुए भारतीय पदक की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। आखिरी के कुछ सेकंड में सैम मारियो के माइल्स अमीन ने अंक बटोरकर बढ़त हासिल की। भारतीय कोच ने अंपायर के रैफरी को चुनौती दी लेकिन वह हार गए। इसके साथ ही सैन मारियो ने एक और पदक जीता। भारतीय पहलवान दीपक पूनिया ने अच्छी शुरुआत की। उन्होंने शुरुआत में दो अंक बटोरे।

ओलिंपिक में भारतीय हॉकी टीम ने 41 साल बाद जीता पदक

टोक्यो ओलिंपिक

भारतीय टीम ने जर्मनी को 5–4 से हराकर पदक पर कब्जा किया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। टोक्यो ओलिंपिक में भारतीय हॉकी टीम ने इतिहास रच दिया है। 41 साल से मेडल के सूखे को खत्म करते हुए टीम ने कांस्य पदक को अपने नाम कर लिया है। भारतीय टीम ने जर्मनी को 5–4 से हराकर पदक पर कब्जा किया। हॉकी टीम की इस शानदार जीत पर पीएम ने कप्तान मनप्रीत सिंह और कोच ग्राहम रीड से बात की और टीम को उनकी उपलब्धि के लिए बधाई दी। इसके अलावा राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, गृहगमंत्री अमित शाह समेत कई नेताओं ने भारतीय टीम को बधाई दी है।

फोन पर बातचीत के दौरान पीएम मोदी ने मनप्रीत से कहा कि इतिहास लिखने के लिए आप सभी पर देश को गर्व है। पीएम मोदी से बात करने के बाद मनप्रीत ने टीम का हौसला बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री का शुक्रिया अदा किया। पीएम मोदी ने

असिस्टेंट कोच पीयूष दुबे से भी बात की। इससे पहले पीएम मोदी ने हॉकी टीम को बधाई देते हुए ट्वीट किया, ऐतिहासिक! एक ऐसा दिन जो हर भारतीय की याद में अंकित होगा। कांस्य पदक जीतने के लिए हमारी पुरुष हॉकी टीम को बधाई। भारत को अपनी हॉकी टीम पर गर्व है।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने भी भारतीय टीम को जीत की बधाई दी है। राष्ट्रपति ने ट्वीट किया, हमारी पुरुष हॉकी टीम को 41 साल बाद हॉकी में ओलंपिक पदक जीतने के लिए बधाई। ये ऐतिहासिक जीत हॉकी में एक नए युग की शुरुआत करेगी और युवाओं को खेल में आगे बढ़ने और उत्कृष्टता के लिए प्रेरित करेगा। गृहमंत्री अमित शाह ने टोक्यो ओलिंपिक में भारतीय हॉकी टीम को मिली एतिहासिक जीत पर बधाई देते हुए कहा, श्प्रत्येक भारतीय के लिए बेहद गर्व और खुशी का क्षण है कि हमारी पुरुष हॉकी टीम ने कांस्य पदक जीता है। आपने पूरे देश को गौरवान्वित किया है। ओलिंपिक में कांस्य पदक जीतने पर केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने भी बधाई दी। उन्होंने कहा, भारतीय हॉकी टीम को बहुत बधाई जिन्होंने 135 करोड़ भारतीयों के चेहरे पर खुशी लाईं। टीम ने अपने प्रदर्शन से पदक जीतकर 135 करोड़ भारतीयों का दिल भी जीता है। 41 साल बाद भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने एक बार फिर मेडल जीता है इसके लिए उन्हें बहुत–बहुत बधाई।

ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने इसे एतिहासिक जीत बताते हुए कहा, 41 साल के लंबे समय के बाद हमें ओलंपिक पदक दिलाने के लिए भारतीय पुरुष हॉकी टीम को बधाई। ये ऐतिहासिक जीत खिलाड़ियों की पीढ़ी को प्रेरित करेगी।

रवि दहिया ने रेसलिंग में भारत को दिलाया सिल्वर मेडल, सोना हाथ से फिसला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारत के स्टार पुरुष रेसलर रवि कुमार दहिया ने टोक्यो ओलिंपिग 2020 में मेन्स फ्रीस्टाइल 57 किलोग्राम कैटेगरी के फाइनल मुकाबले में अपने विरोधी रुस के पहलवान जावुर उगुवे से हार गए और उनका गोल्ड मेडल जीतने का सपना टूट गया। रवि दहिया को इस मैच में 4–7 से हार मिली और उन्होंने भारत के लिए सिल्वर मेडल हासिल किया। टोक्यो ओलिंपिक में ये भारत का दूसरा सिल्वर मेडल है। रवि से पहले मीराबाई चानू ने वेटलिफ्टिंग में भारत को सिल्वर मेडल दिलाया था।

इस फाइनल मैच की शुरुआत में ही रूस के पहलवान ने रवि पर अटैक करते हुए 2–0 की

विरोधी रुस के पहलवान जावुर उगुवे से हार गए

बढ़त बना ली, लेकिन फिर रवि ने वापसी की और 2–2 की बराबरी पर आ गए। इसके बाद रूस के पहलवान ने टेक डाउन के साथ दो अंक और अर्जित कर ली और 4–2 की बढ़त बना ली। इसके बाद रवि विरोधी पहलवान के सामने थोड़े ढ़ीले नजर आए और जावुर ने बढ़त 7–2 की कर ली। आखिरी में रवि ने जोर लगाते हुए 2 अंक जरूर हासिल किए, लेकिन वो जीत के लिए काफी नहीं थे और उन्होंने मैच गंवा दिए।

रवि दहिया का सफर इस ओलिंपिक में कमाल का रहा और उन्होंने सबसे पहले राउंड 16 में कोलंबिया के पहलवान को 13–2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी। इसके बाद क्वार्टर फाइनल में उन्होंने बुल्गारिया के पहलवान को 14–4 के बड़े अंतर से चित किया और सेमीफाइनल में पहुंच गए। सेमीफाइनल में उन्हें कजाकिस्तान के पहलवान से कड़ी टक्कर मिली साथ ही साथ कजाक पहलवान ने उन्हें दांतो से भी काटा, इसके बावजूद वो मैदान पर डटे रहे और आखिरकार जीत उनकी झोली में आई। इस मुकाबले में रवि कुमार ने जीत के अंतर को 5–9 से कम कर दिया था और फिर आखिरी मिनटों में ये मुकाबला रवि ने कजाक पहलवान को नीचे गिराते हुए बाय फॉल के आधार पर जीता था। रवि कुमार दारिया ओलिंपिक में भारत की तरफ से फाइनल मुकाबले में पहुंचने वाले दूसरे रेसलर थे।

सहवाग ने हॉकी टीम को दी बधाई लेकिन कर दी बहुत बड़ी चूक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व धूरंधर ओपनर बल्लेबाज व कमेंटेटर वीरेंद्र सहवाग अपने देश के तमाम एथलीटों का जमकर समर्थन कर रहे हैं जो टोक्यो ओलिंपिक में अपना दम दिखा रहे हैं। सहवाग ट्विटर के माध्यम से अपने जज्बात पेश कर रहे हैं और ओलिंपिक मेडल जीतने वाले एथलीटों को बधाई देने में पीछे नहीं हैं। गुरुवार को जब भारतीय मेन्स हॉकी टीम ने कप्तान मनप्रीत सिंह की अगुआई में जब जर्मनी को हराकर ब्रॉन्ज मेडल जीता तो सहवाग ने भी इस टीम को बधाई दी। भारत ने जर्मनी को ब्रॉन्ज मेडल के लिए हुए रोमांचक व संघर्षपूर्ण मुकाबले में 5–4 के अंतर से हराया। भारतीय टीम की इस जीत के बाद वीरेंद्र सहवाग ने ट्वीट करते हुए टीम को जीत की बधाई दी और लिखा कि, चक दे फट्टे। भारतीय हॉकी टीम के लिए एक एतिहासिक दिन। 3–1 से पिछड़ने के बाद भारत ने वापसी की और मुकाबले में 5–3 से जीत दर्ज की। 40 साल के बाद भारत का पहला हॉकी ओलिंपिक मेडल, मजा आ गया।

न्यूज डायरी

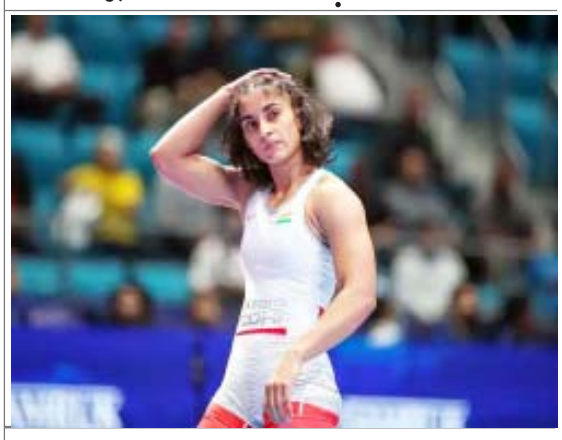

अब बिना मेडल लिए ही लौटेगी भारत की बेटी विनेश फोगाट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) तोक्यो। ओलिंपिक शुरू होने से पहले विनेश फोगाट भारत की सबसे बड़ी उम्मीद थी। देशवासियों को पूरी आशा थी कि यह महिला पहलवान कमाल करेगी, लेकिन ऐसा हो न सका। जब सुबह–सुबह हॉकी से खुशखबरी आ रही थी तभी विनेश फोगाट की हार ने सभी को सन्न भी कर दिया। हालांकि अंतिम आस बाकी थी, लेकिन वेनेसा के फाइनल में न पहुंचने से वह भी धूमिल हो गई। दरअसल, हरियाणा की यह छोरी फ्रीस्टाइल कुश्ती के 53 किग्रा भार वर्ग में ताल ठोक रही थी। पहला मैच जीतने के बाद माकुहारी मेसे हॉल के मैट–बी पर हुए क्वार्टर फाइनल मैच में विनेश का सामना दो बार की विश्व चौंपियन से हुआ। यहां बेलारूस की वेनेसा कालाजिंसकाया ने 9–3 से हराया। वेनेसा अगर फाइनल में पहुंचती तो विनेश को रेपेचेज खेलने का मौका मिलता और वह रेपेचेज के दो मैच जीतकर कांस्य पदक जीत सकती थी, लेकिन वेनेसा को सेमीफाइनल में चीनी पहलवान पैंग ने हरा दिया।

खराब प्रदर्शन के बाद ट्रेस्कोथिक ने माना इंग्लैंड ने ठीक से तैयारी नहीं की

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नाटिंघम। जसप्रीत बुमराह की अगुआई में भारतीय तेज गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के आगे नाटिंघम में खेले जा रहे पहले टेस्ट में इंग्लैंड की पहली पारी सिर्फ 183 रन पर ढेर हो गई। पहली पारी में खराब प्रदर्शन के लिए टीम के बल्लेबाजी कोच मार्क्स ट्रेस्कोथिक ने कम टेस्ट मैच खेलना कारण बताया है। उन्होंने यह भी माना कि टीम ने ठीक तरह से तैयारी नहीं की। मैच में इंग्लैंड की ओर से कप्तान जो रूट के अलावा कोई भी बल्लेबाज भारतीय गेंदबाजों का सामना नहीं कर सका। रूट ने 108 गेंदों पर 11 चौकों की मदद से सर्वाधिक 64 रन बनाए। इंग्लैंड के चार बल्लेबाज खाता भी नहीं खोल सके। ऐसे में इंग्लैंड के पूर्व ओपनर ने कहा कि शेड्यूलिंग हमेशा एक मुद्दा होता है और टेस्ट सीरीज के मद्देनजर आप निश्चित रूप से चाहते हैं कि बल्लेबाज ज्यादा से ज्यादा रेड–बॉल क्रिकेट खेलें। बता दें कि इंग्लैंड की टीम इस टेस्ट सीरीज से पहले श्रीलंका और पाकिस्तान से व्हाइट बॉल क्रिकेट खेली।

नेगेटिव आने के बाद क्रुणाल पांड्या भारत लौट आए हैं

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। श्रीलंका दौरे पर सीमित ओवरों की सीरीज के लिए गए भारतीय ऑलराउंडर क्रुणाल पांड्या को तीन मैचों की टी20 सीरीज के दूसरे मुकाबले से ठीक पहले कोरोना संक्रमित पाया गया था। इसके बाद उनको श्रीलंका में भी अनिवार्य क्वारंटाइन की प्रक्रिया से गुजरना पड़ा और अब उन्होंने कोरोना को मात दे दी है और वे घर लौट आए हैं। उनके अलावा युजवेंद्र चहल और कृष्णप्पा गौतम को भी बाद में कोरोना वायरस टेस्ट में पॉजिटिव पाया गया था। स्पिन ऑलराउंडर क्रुणाल पांड्या श्रीलंका में अपनी अनिवार्य आइसोलेशन अवधि पूरी करने के बाद आखिरकार भारत लौट आए हैं। श्रीलंका दौरे के समापन के बाद, अन्य भारतीय खिलाड़ी भारत वापस आ गए थे, लेकिन क्रुणाल और चहल को श्रीलंका में रहना पड़ा।

भूल जाओ 1983, 2007 और 2011 वर्ल्ड कप की जीत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने टोक्यो ओलिंपिक 2020 में ब्रॉन्ज मेडल के लिए हुए मुकाबले में जर्मनी को 5–4 से हराया। इस जीत के साथ ही 1980 के बाद यानी 41 साल के बाद भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने ओलिंपिक में पदक जीतने का कमाल किया। मनप्रीत सिंह की कप्तानी वाली इस हॉकी टीम के ब्रॉन्ज मेडल जीतने के बाद टीम इंडिया के कई पूर्व स्टार खिलाड़ियों ने इस टीम को बधाई दी। भारतीय पुरुष हॉकी टीम को बधाई देते हुए टीम इंडिया के पूर्व ओपनर बल्लेबाज गौतम गंभीर ने लिखा कि, आप 1983, 2007 और 2011 वर्ल्ड कप में मिली जीत को भूल जाइए क्योंकि ये जीत उससे भी बड़ी है।